# मां बनने से बिल्कुल अलग इंसान बन गयी हूं-कियारा आडवाणी



बेटी साराया के जन्म के बाद कियारा आडवाणी की जिंदगी में नाटकीय बदलाव आया। मां बनने के बाद से अभिनेत्री लाइमलाइट से काफी दूर रही हैं। हाल ही में वह अपनी आगामी फिल्म के प्रमोशन के लिए काम पर लौटी हैं । एक इंटरव्यू में कियारा आडवाणी ने प्रसव की भावनात्मक वास्तविकताओं और मातृत्व ने उन्हें भावनात्मक और मानसिक रूप से कैसे बदल दिया, इस बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा, एक व्यक्तित्व के रूप में आप में सब कुछ बदल जाता है। मुझे लगता है कि मां बनने से पहले और बाद में, मैं हर तरह से एक बिल्कुल अलग इंसान बन गई हूं। और मैंने इसे स्वीकार भी कर लिया है। आप जो भी करते हैं, उसमें बहुत अधिक उद्देश्य होता है। मैं लगातार अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण बनने के बारे में सोचती रहती हूं। अगर मैं ऐसा करूं तो मेरी बेटी को कैसा लगेगा? उन्होंने आगे कहा। मातृत्व के बारे में बात करते हुए कियारा आडवाणी ने कहा कि एक मां को दोहरी भूमिका निभानी पड़ती है। अपने नवजात शिशु की देखभाल करने के अलावा, वह घर का कामकाज भी संभालती है। उन्होंने स्वीकार किया कि एक माँ या गृहिणी जितना काम करती है, उसकी कल्पना हममें से कोई नहीं कर सकता। मैं ऐसी इंसान हूँ जिसने अपनी पूरी जिंदगी हर दिन काम किया है। मैंने बहुत व्यस्त शिफ्टें की हैं। मैंने बहुत संघर्ष किया है, अभिनेत्री ने आगे कहा। माता-पिता बनने के बाद, उन्होंने कहा कि वह कुछ समय के लिए अवकाश लेना चाहती हैं। उन्होंने समझाया, अवकाश लेने से कहीं अधिक, मैं वर्तमान में रहना चाहती थी, और साथ ही यह भी बताया कि वह अभी भी भविष्य की योजना बना रही हैं, बैठकों में भाग ले रही हैं और प्रस्तुतियों में शामिल हो रही हैं। नई मां ने आगे कहा कि मातृत्व की इस यात्रा में और घर से काम करने के परिदृश्य में भागदौड़ दोगुनी हो गई है, क्योंकि अब वह किसी और के जीवन के लिए जिम्मेदार है। अभिनेत्री ने बताया कि माता-पिता बनने के बाद व्यक्ति का नजरिया बदल जाता है। वे हर चीज को एक नए नजरिए से देखते हैं। उन्होंने आगे कहा, अभिनय के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी, आप अपने भविष्य के बारे में अलग-अलग विचार रखते हैं। इस दौर में आप अपने वर्तमान काम के अलावा अन्य चीजों के बारे में भी गहराई से सोचने लगते हैं। कियारा आडवाणी ने अपनी बेटी के जन्म के बाद प्रसवोत्तर परिवर्तनों के अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, प्रसवोत्तर अवस्था के बारे में और अधिक चर्चा होनी चाहिए। प्रसवोत्तर अवस्था में हर किसी का अनुभव अलग होता है। यह शारीरिक और भावनात्मक रूप से अलग-अलग तरह से प्रभावित करती है। अभिनेत्री ने अचानक बिना किसी कारण के त्वचा संबंधी समस्या से जूझने की बात याद करते हुए कहा, पहले तो मुझे लगता था, हे भगवान! ये सब क्यों हो गया! लेकिन अब मेरी जिंदगी में कोई भी चीज मुझे रोक नहीं सकती, और मैं जीना जारी रखूंगी। कियारा आडवाणी ने आगे बताया कि मातृत्व ने उन्हें खुद के प्रति दयालु होना सिखाया। पहचान में बहुत बड़ा बदलाव आता है। यह एक बिल्कुल नई दुनिया होती है। उस दौर में, खुद को समझने और समझने में समय लगता है। मुझे तो छह महीने लग गए! क्योंकि आपको एहसास होता है कि आप दूसरों के लिए इतना कुछ कर रही हैं कि आप खुद से अपने रिश्ते को, खुद से कही जाने वाली बातों को भूल जाती हैं, उन्होंने समझाया। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि वह हमेशा दूसरों पर ही ध्यान केंद्रित करती रही थीं, जिसके कारण उन्हें खुद पर ध्यान देने का बहुत कम समय मिलता था, लेकिन मातृत्व ने उनके दृष्टिकोण को बदल दिया। उन्होंने आगे कहा, और यह मेरे लिए सबसे अच्छा काम है जो मैंने किया है। 34 साल बाद, मैंने सीमाएं तय करना सीख लिया है। मैंने हर बात पर खुद से जरूरत से ज्यादा आलोचनात्मक बातचीत न करना सीख लिया है। मैंने डर पर ध्यान न देना सीख लिया है। और ये सारी बातें मुझे इन छह महीनों में खुद को सिखानी पड़ी हैं। कियारा आडवाणी ने साराया के जन्म के महज पांच महीने बाद पिछले दिसंबर में काम पर वापसी की। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपनी गर्भावस्था के दौरान सात महीने तक फिल्म टॉक्सिक पर काम किया , जिसमें कई दमदार एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग भी शामिल थी।

**अब भागदौड़ दुगुनी हो गयी है। एक व्यक्ति के रूप में आपमें सब कुछ बदल जाता है। मुझे लगता है कि मां बनने से पहले और बाद में मैं हर तरह से एक बिल्कुल अलग इंसान बन गयी हूं और मैंने इसे स्वीकार भी कर लिया है, कियारा आडवाणी ने बताया।**

# हमले के बाद शूटिंग पर लौटे टाइगर श्रॉफ

मुंबई के जुहू में कार पर हुई गोलीबारी की घटना के महज दो दिन बाद अभिनेता टाइगर श्रॉफ काम पर वापस लौट आए हैं। टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, 18 अक्टूबर को हुए हमले के बाद टाइगर ने 20 अक्टूबर से अपनी अपकमिंग फिल्म लग जा गले की शूटिंग दोबारा शुरू कर दी है। यह एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म है, जिसमें टाइगर पहली बार जाह्नवी कपूर और लक्ष्य के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। घटना के बाद पुलिस जांच जारी है। इसी बीच टाइगर ने अपने वर्क कमिटमेंट को पूरा करते हुए सेट पर वापसी की है। फिल्म लग जा गले का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म का निर्देशन राज मेहता कर रहे हैं, जो इससे पहले गुड न्यूज, जुग जुग जियो और सेल्फी जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। चर्चा है कि यह फिल्म मई 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है, हालांकि रिलीज डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। यह बयान 18 अक्टूबर की फायरिंग की घटना के दो दिन बाद आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर उस दिन शाम करीब 7 बजे मुंबई के एक फुटबॉल क्लब से निकल रहे थे। घटना के वीडियो में हमलावर उनकी कार पर पास से फायरिंग करते दिखे थे। टाइगर इस घटना में सुरक्षित बच गए। हालांकि, घटना में उनके ड्राइवर और एक राहगीर घायल हुए थे। टाइगर पर फायरिंग करने वाले आरोपियों ने बताया है कि उन्होंने पहले अमिताभ बच्चन, सलमान खान, आमिर खान और अक्षय कुमार की रेकी की थी, लेकिन सिक्योरिटी ज्यादा होने के कारण प्लान बदल दिया था। आरोपियों के साथ एक चौथा युवक भी था, लेकिन वह हमले से एक रात पहले सिगरेट पीने के बहाने होटल से भाग गया। वहीं टाइगर पर फायरिंग के मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सबसे पहले पुलिस ने फायरिंग के मामले में बिहार के ऋतिक उर्फ रोशन, हरियाणा के रेहान और एक नाबालिग को कोटा से गिरफ्तार किया था। रेहान के दोस्त समीर और बोनी उर्फ रौनक भी पुलिस हिरासत में हैं। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने हथियारों की सप्लाई में भूमिका के आरोप में कुणाल, सुमित, राधा और बबीता को गिरफ्तार किया।



**घटना के बाद पुलिस जांच जारी है। इसी बीच टाइगर ने अपने वर्क कमिटमेंट को पूरा करते हुए सेट पर वापसी की है।**

# सतीश कौशिक के साथ रिश्ता सिर्फ पेशेवर जुड़ाव से कहीं बढ़कर था-अनिल कपूर



बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर अपने शो को लेकर चर्चा में हैं। इस शो के अपकमिंग एपिसोड में अनिल कपूर ने दिवंगत अभिनेता-फिल्म निर्माता सतीश कौशिक के साथ अपनी गहरी दोस्ती को याद किया है। उन्होंने बताया कि उनके बीच का रिश्ता सिर्फ पेशेवर जुड़ाव से कहीं बढ़कर था। यह भावुक पल तब आया जब शो के एक प्रतियोगी गगन ने बताया कि लोग अक्सर उनकी तुलना दिवंगत अभिनेता से करते हैं। गगन की शक्ल सतीश कौशिक से काफी मिलती-जुलती है। गगन ने यह भी बताया कि टीवी शो सुमित संभल लेगा की शूटिंग के दौरान दिल्ली में उनकी मुलाकात सतीश कौशिक से हुई थी। इस बात ने अनिल कपूर को अपने दोस्त से जुड़ी पुरानी यादों में खो जाने पर मजबूर कर दिया। सतीश कौशिक के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए अनिल कपूर ने कहा, उनके साथ मेरा रिश्ता कैसा था, इसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। अगर यह शूटिंग 70 मिनट की भी होती, तो भी उनके बारे में किस्से सुनाने के लिए कम पड़ जाती। वे मुझसे अक्सर कहते थे, तुम्हारा टैलेंट लाजवाब है। अनिल कपूर ने यह भी बताया कि वह प्यार से सतीश कौशिक को डैनी डेविटो कहकर बुलाते थे। दोनों को ट्विन्स फिल्म बहुत पसंद थी और वे अक्सर सोचते थे कि काश वे कभी साथ में जुड़वां भाइयों का किरदार निभा पाते। अपनी गहरी दोस्ती को याद करते हुए अनिल कपूर ने कहा, अगर मेरा कोई जुड़वां भाई हो सकता है, तो वह सिर्फ सतीश थे, क्योंकि वह मेरे बारे में सब कुछ जानते थे। मेरा गुस्सा, मेरी खुशी, हर एक बात। वह मुझे बहुत अच्छे से समझते थे। बातचीत तब और मजेदार हो गई जब अनिल कपूर और गगन ने मंच पर सतीश कौशिक का एक यादगार डायलॉग दोहराया, मेरा नाम है कैलेंडर, मैं चला किचन के अंदर! गगन के इस अंदाज की तारीफ करते हुए अनिल कपूर ने कहा, आपने मेरा दिल जीत लिया है। इसके बाद उन्होंने मजाक में दर्शकों से कहा कि अगर किसी के पास ट्विन्स फिल्म से प्रेरित कोई फिल्म बनाने के लिए पैसे हों, तो उन्हें और गगन को जुड़वां भाइयों के रोल में कास्ट करें। सतीश कौशिक का 9 मार्च 2023 को निधन हो गया था। वह एक बेहतरीन अभिनेता होने के साथ निर्देशक, निर्माता, एडिटर और स्क्रीनराइटर थे। वह अनिल कपूर के साथ मिस्टर इंडिया, राम लखन और जमाई राजा जैसी फिल्मों में नजर आए थे।

खूनी व बादी बवासीर में बेहद असरकारक
अर्शवेदा कैप्सूल




सुविचार
हर दिन एक नया अवसर है, इसे अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाने में लगाएं।
• 100% आयुर्वेदिक • सुरक्षित • असरदार
Customer Care : 9628078000
www.rphealthgroup.com
Also available at TATA 1mg amazon Flipkart




## प्रेम- खोज से अनुभूति तक

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

जीवन प्रेम से उत्पन्न होता है और जीवन प्रेम की ही तलाश करता है। जीवन का लक्ष्य भी प्रेम है, और जीवन प्रेम से ही कायम रहता है। इस ग्रह पर ऐसा कोई भी प्राणी या जीवित इकाई नहीं है, जिसने प्रेम को न जाना हो या जो प्रेम से रहित हो। यदि प्रेम सृष्टि में सर्वत्र विद्यमान है, तो फिर प्रेम की तलाश क्यों है? हम प्रेम को क्यों खोजते हैं? जब ये प्रश्न मानव-मन को उद्वेलित करने लगते हैं, तभी किसी की आध्यात्मिक यात्रा का प्रारंभ होता है। प्रेम क्या है? भावनाओं का वर्णन करना सबसे कठिन कार्य है-किसी भी भावना का। भावनाओं को शब्दों में बाँधना या किसी को बौद्धिक रूप से यह समझाना सरल नहीं है कि वह भावना क्या है। यह एक अत्यंत सूक्ष्म और गहन अनुभव है। प्रेम इस सृष्टि का मूल आधार है। वह कभी समाप्त नहीं हो सकता; वह सदैव विद्यमान रहता है। प्रेम दीजिए-वह कई गुना होकर आपके पास लौटेगा। प्रेम वास्तव में कोई मार्ग नहीं है; प्रेम स्वयं ही घर है। प्रेम आपको आपके मूल स्वरूप में वापस ले आता है। प्रेम कोई क्रिया या कर्म नहीं है, यह एक अवस्था है-एक परिणाम है। तत्पश्चात प्रश्न उठता है-मैं इसे कैसे प्राप्त करूँ? यह इच्छा का विषय नहीं हो सकता। जब इच्छाएँ शांत हो जाती हैं, तभी प्रेम का अनुभव संभव होता है। प्रेम को इच्छा का विषय न बनाइए। इच्छा का स्वभाव है-अभी नहीं, भविष्य में कुछ। यह बेचैनी उत्पन्न करती है, जबकि प्रेम का प्रभाव शीतलता से परिपूर्ण होता है। प्रेम को अपनी इच्छाओं का लक्ष्य न बनाइए। जब इच्छाएँ शांत हो जाती हैं, तब यह अनुभव होता है कि प्रेम तो यहीं है। प्रेम सभी इच्छाओं का अंतिम लक्ष्य है, और जब उसे प्राप्त नहीं किया जा सकता, तब घृणा और क्रोध उत्पन्न होते हैं। प्रेम की इच्छा अन्य अपूर्णताओं को जन्म देती है, जैसे निराशा। चाहे इच्छा पूर्ण हो या अपूर्ण, वह अंततः निराशा ही लाती है-यह इच्छा का स्वभाव है। प्रेम को केवल उसकी इच्छा करने से प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि प्रेम तो इच्छाओं के समाप्त होने पर ही प्रकट होता है। प्रेम से विरह उत्पन्न होता है, और विरह ही भगवान है; प्रेम ही भगवान है। विरह के बिना जीवन अर्थहीन हो जाता है। विरह उत्पन्न करना गुरु का कार्य है। लोग संसार के लिए दुःखी होते हैं, किंतु यदि संसार के दुःख से ऊपर उठकर भगवान के लिए विरह उत्पन्न हो जाए, तब साधना पूर्ण हो जाती है। इसलिए विरह का जन्म होना अत्यंत शुभ है।

**प्रेम को इच्छा का विषय न बनाइए। इच्छा का स्वभाव है-अभी नहीं, भविष्य में कुछ। यह बेचैनी उत्पन्न करती है, जबकि प्रेम का प्रभाव शीतलता से परिपूर्ण होता है। प्रेम को अपनी इच्छाओं का लक्ष्य न बनाइए।**

# हर लड़की को खूबसूरती पर होना चाहिए गर्व- तमन्ना भाटिया

फिल्म जेलर के गाने कवाला से लेकर स्त्री 2 के आज की रात तक में अपनी अदाओं और डांस मूव्स से हर किसी को झूमने पर मजबूर करने वाली ऐक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों चर्चा में हैं, अपनी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर को लेकर। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म में तमन्ना एक ऐसी सिंगल मदर बनी हैं जो हीरों की चोरी के आरोप में फंस जाती है। खास बातचीत-

**इन दिनों हर तरफ आपके डांस नंबर्स का जलवा है, वो फिर कवाला हो या आज की रात, हर कोई इन पर झूम रहा है। आपके लिए डांस क्या है?**

डांस से मेरा रिश्ता बहुत ही दिलचस्प रहा है, क्योंकि मैंने डांस सीखा नहीं है। मैं ट्रेंड डांसर नहीं रही हूं। मैं कभी डांस स्कूल नहीं गई। मैंने सेट पर ही डांस सीखा है तो मैं अपने डांस का श्रेय उन सभी कोरियोग्राफर्स को देना चाहूंगी, जिनसे मैंने सीखा। प्रभु देवा सर, राज सुंदरम सर, प्रेम रक्षित सर, वृंदा मैम और साउथ के बहुत सारे कोरियोग्राफर्स ही मेरे टीचर रहे हैं। उन्होंने मुझे फिल्म डांस समझने में काफी मदद की, क्योंकि फिल्म डांस बाकी से काफी अलग होता है। मेरा मानना है कि डांस शो ऑफ करने की चीज नहीं है कि मैं ये मुश्किल स्टेप कर सकती हूं। डांस ऐसा होना चाहिए कि उसे देखकर दूसरे का मन भी नाचने के लिए मचल जाए। मेरी कोशिश कभी ये नहीं होती कि देखो, मैं कितने मुश्किल स्टेप कर सकती हूं, मेरी कोशिश यही रहती है कि जब कोई मेरी ओर देखे और उसे मेरे अंदर की मस्ती या कोई एक्सप्रेशन पसंद आ जाए और उनका मन भी डांस करने का कर जाए और शायद इसीलिए लोग उससे कनेक्ट करते हैं।

**फिल्मों के इन डांस नंबर्स पर अक्सर उत्तेजक के आरोप भी लगते हैं। आपकी इस पर क्या राय है?**

अगर आप एक लड़की हैं तो अपने जेंडर का प्रतीक होना। अगर एक औरत बहुत ही खूबसूरत या औरत के जैसी लग रही है तो उसे सेक्सी बोलते हैं, तो इसका मतलब बहुत सरल है। बाकी किसी को घुमा फिराकर दूसरा मतलब निकालना है तो आप दस हजार मतलब निकाल सकते हैं, लेकिन मेरे हिसाब से औरतों को खुद में खूबसूरत महसूस करना चाहिए। मैं बहुत सी लड़कियों से मिलती हूं जो मुझे आकर बोलती हैं कि मैम, आप बहुत खूबसूरत हैं। आप तो रियल में बहुत इतनी सुंदर हैं, पर मेरा मानना है कि वे लड़कियां खुद बहुत सुंदर हैं। मेरा मानना है कि एक औरत को दूसरी औरत को सपोर्ट करना चाहिए और कहना चाहिए कि मुझे आप बहुत खूबसूरत लगती हैं और मैं दिल से ऐसा महसूस करती हूं। मैं इसे छिपाना नहीं चाहती। आपकी खूबसूरती पर आपको गर्व होना चाहिए तो ब्यूटी से जुड़ी कोई भी चीज जो मैं करती हूं, उसे लेकर मेरा नजरिया यही होता है



**फिल्म में आपकी किस्मत खूब नाच नचाती है, बहुत मुश्किलों से जूझने पर मजबूर करती है। असल जिंदगी में ऐसा मुश्किल दौर कौन सा रहा है, जिसे हराकर आप सिकंदर बनीं?**

करियर के शुरुआत का दौर मैं कहूंगी कि थोड़ा मुश्किल था, क्योंकि जब मैंने काम करना शुरू किया था, तब मैं बहुत कम उम्र की थी और हमेशा ऐसे लोगों के साथ काम कर रही होती थी, जो मुझसे 20 साल बड़े थे। वो काफी अजीब होता था कि मैं इतनी छोटी थी और 20 साल बड़े मर्दों से घिरी रहती थी तो वो एक अलग किस्म की प्रजाति को समझने जैसा था। लोग इस बारे में बात नहीं करते लेकिन ऐक्टर होने का एक बड़ा हिस्सा ये होता है कि आप समझ सकें कि फिल्ममेकर आखिर क्या बनाना चाहता है और इसके लिए आप में वो समझ होनी चाहिए। मेरे लिए वो सोच विकसित करना और उनके दिमाग को समझना चुनौती थी। फिर, मैं साउथ में काम कर रही थी, जबकि खुद मुंबई से थी, तो वहां के कल्चर को समझना था, क्योंकि वो दुनिया ही बिल्कुल अलग थी। मेरा मानना है कि अगर आप किसी भी ऑडियंस के दिल तक पहुंचना चाहते हैं तो आपको उनकी जिंदगी, उनकी संस्कृति को समझना जरूरी है। इसके अलावा, हमारी जॉब में लोगों से इंटरैक्ट करने की कला भी आनी चाहिए, क्योंकि आपको अलग अलग लोगों के साथ मिलकर काम करना होता है। कैमरामैन, डायरेक्टर, कॉस्ट्यूम टीम, सब कुछ बताएंगे और इसमें सबसे बड़ी चीज है, अपने ईगो को आड़े ना आने देना। तभी आप बढ़िया साझेदारी कर पाएंगे। अगर आप ये सोचने लगे कि मुझे ज्यादा आता है तो आप वो नहीं कर पाएंगे, इन सब चीजों को उस छोटी उम्र में समझ पाना बहुत मुश्किल था। लेकिन मैं बहुत दृढ़ थी, इसलिए वो कर पाई, लेकिन बहुत मुश्किल होती थी। कई बार ऐसा हुआ कि दिग्गज लोग मुझसे कोई बात कर रहे हैं। मैं हां हां कहती रहती थी लेकिन मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा होता है, लेकिन मुझे ऐसा दिखाना है कि नहीं, मैं तो सब समझ रही हूं। (हंसती हैं) फिल्म मुकद्दर का सिकंदर करने की सबसे बड़ी वजह ये रही कि मुझे नीरज सर (डायरेक्टर नीरज पांडे) की फिल्में हमेशा से बहुत पसंद रही हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
Union Bank of India
A Government of India Undertaking
भारत सरकार का उपक्रम
आस्ति वसूली शाखा लखनऊ, ग्राउंड फ्लोर, यूनियन बैंक भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226010, ई-मेल- ubin0578720@unionbankofindia.bank.in

मेगा ई-नीलामी बिक्री सूचना (सरफेसी अधिनियम के अन्तर्गत)

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन), 2002 के नियम 8(6)/9(1) के परन्तुक सपठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

सर्वसाधारण को विशेषकर ऋणियों एवं जमानतदारों को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पतियां, जो प्रतिभूति के रूप में हमारे बैंक के पास दृष्टिबंधक / बंधक है जिसका **सांकेतिक कब्जा** यूनियन बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, का विक्रय दिनांक **26.11.2026** (समयः अपरान्हः 12 बजे से सायं 05 बजे तक) को होने वाली ई-नीलामी में **"जहाँ है", "जैसा है", "जो कुछ भी है" और "बिना किसी सहारे के"** आधार पर नीचे वर्णित ऋणियों एवं जमानतदारों से सम्बन्धित उनकी देनदारी की वसूली के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (सुरक्षित लेनदार) के द्वारा किया जायेगा। आरक्षित मूल्य एवं ई.एम.डी. राशि का विवरण निम्नानुसार है।

ऑनलाइन ई-नीलामी के माध्यम से वेबसाइट: https://baanknet.com
नीलामी की तिथि व समय: 26.11.2026, समय: अपरान्हः 12 बजे से सायं 05:00 बजे (10 मिनट के असीमित अतिरिक्त समय सहित)

| क्र. सं. | ऋणी एवं निदेशक का नाम एवं पता | ई-नीलामी हेतु सम्पत्ति का विवरण | 1. आरक्षित धनराशि 2. ई.एम.डी. 3. बढ़ी हुई धनराशि | 1. शाखा प्रमुख/सम्पर्क 2. प्राधिकृत अधिकारी का नाम एव सम्पर्क सूत्र 3. प्राधिकृत अधिकारी की ई-मेल आईडी 4. वसूली अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क | ब्याज एवं अन्य खर्च के साथ बकाया धनराशि | भार का विवरण: सांकेतिक/भौतिक कब्जा / लंबित मुकदमे का विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **1. मेसर्स दिनेश एग्रो इंडस्ट्रीज,** पताः 297/बी चांद भवन, मोहल्ला रूस्तमपुर, गोरखपुर उ.प्र. 273016 (ऋणी) **2. श्री शक्ति सिंह प्रोप. मेसर्स दिनेश एग्रो इंडस्ट्रीज,** पताः 297/बी चांद भवन, मोहल्ला रूस्तमपुर, गोरखपुर उ.प्र. 273016 (प्रोपराइटर) **3. श्रीमती मिथिलेश सिंह,** पताः 297/बी चांद भवन, मोहल्ला रूस्तमपुर, गोरखपुर उ.प्र. 273016 (जमानतकर्ता) | फैक्ट्री भूमि एवं भवन की सम्पत्ति के सभी भाग व खण्ड स्थित मौजा भैसहिया, परगना-हवेली, तहसील-फरेंदा, जिला महाराजगंज, अराजी संख्या 309 एवं अराजी सं. 310, पिन कोड- 273155, **कुल क्षेत्रफल 1640.00 वर्ग मीटर, चौहद्दीः पूर्वः** नंद लाल एवं अन्य का मकान, **पश्चिमः** चक मार्ग (निकट रास्ता), **उत्तरः** सीताराम की भूमि, **दक्षिणः** राम अचल की भूमि | 1. रू. 1,25,00,000/-<br>2. रू. 12,50,000/-<br>3. रू. 1,00,000/- | **1. प्राधिकृत अधिकारी से विमर्शानुसार**<br>**2. श्री प्रभात रंजन सिंह/8376002606**<br>**3. ubin0578720@unionbankofindia.bank.in**<br>**4. श्री गोरखनाथ शर्मा /9838744960** | **रू. 3,47,66,142.00** (रूपये तीन करोड़ सैतालिस लाख छाछठ हजार एक सौ बयालिस मात्र) मांग सूचना धारा 13(2) दिनांक 25.04.2017 के अनुसार एवं उसपर अतिरिक्त ब्याज, शुल्क एवं लागत यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को देय | प्राधिकृत अधिकारी को अन्य संज्ञान नहीं / सांकेतिक कब्जा / प्राधिकृत अधिकारी को अन्य संज्ञान नहीं |

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए वेबसाइट **https://www.unionbankofindia.bank.in/auction-property/viewauction-property.aspx** और **https://baanknet.com** में दिये गए लिंक को देखे। पंजीकरण, ईएमडी, भुगतान और बोली-प्रक्रिया के नियमों के लिए वेबसाइट **https://baanknet.com** पर जाए। ऑनलाईन नीलामी में भाग लेने के लिए इच्छुक बोलीदाताओं के पास वैध ई-मेल आईडी, केवाईसी दस्तावेज, बैंक डिटेल और सक्रिय दूरभाष नम्बर अवश्य होना चाहिए। केवाईसी दस्तावेजों के अनुमोदन के लिए बोलीदाताओं/खरीदार के पास **"डिजिलॉकर सुविधा"** होनी चाहिए। इच्छुक बोलीदाता/ खरीदार वैबसाइट के होम पेज पर दिए गए क्रेता मैनुअल द्वारा निर्देशित हो सकते हैं।

**Security interest (Enforcement) Rule, 2002 के नियम 8 (6) सपठित नियम 9 (1) के अन्तर्गत 30 दिन की बिक्री सूचना।**

इसे Security interest (Enforcement) Rule, 2002 के नियम 8(6) सपठित नियम 9(1) के अन्तर्गत उक्त तिथि को की जा रही ई-नीलामी/बिक्री के सम्बन्ध में उक्त ऋण के बकाया राशि वाले ऋणियों / जमानतकर्ताओं को जारी किया हुआ नोटिस भी माना जाये।

दिनांक : 17.10.2026 स्थानः महाराजगंज प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया